CBSE Class – 4 Hindi

NCERT Solutions

रम झम पाठ- 6. नाव बनाओ नाव बनाओ

<u>किवता से</u>

या कहते? मेरे या बस का?

(क) भैया ने या बहाना िकया? य ?

उ **र-** भैया नेबहाना बनाया िक नाव बनाना मेरेबस का काम नह ह|ै इसका कारण यह था िक भैया को बाज़ार सेकागज़ लाकर नाव बनाननेम आलास आ रहा था|

बूँद -लहर लड़ती-बढ़ती|

(ख) कौन बूँद और लहर सेलड़तेहए आगेबढ़ रही है?

उ **र-** कागज़ क नाव बूँद और लहर सेलड़तेहए आगेबढ़ रही ह|ै

गुक भारी, अपनी खोलो|

(ग) िकसक गुक भारी है? िकसक गुक ह क है?

उ **र-** भैया क गु क भारी ह|ै तथा ब चेक गु क ह क ह|ै

<u>नाव क कहानी</u>

एक बार िफर सेकिवता पढ़ो| इस किवता म एक नाव केबननेऔर पानी म सफाई करनेक कहानी िछपी है|

मान लो तुमही वह

नाव हो| अब अपनी कहानी सबको सुनाओ|

शु आत हम कर देतेह|

म **एक नाव हँ| म कागज़ सेबनी हँ| मुझेएक**

लड़केनेबनाया उसका नाम तो मुझेनह पता पर

.....

उ र- ..... वह मेरेबननेपर बहत ही खशु हो गया| रम झम- रम झम बा रश हो रही थी| चार ओर पानी भर चुका था| उसने मुझेपानी म छोड़ िदया| म पानी क लहर केसहारेआगेबढ़ रही थी| तभी बहत तेज बा रश होनेलगी| म पूरी तरह भीग गई और िबजली केएक खभेंकेपास जा कर क गई|

<u>आह! बा रश!</u>

तुमनेबरसात पर पहलेभी कभी कोई किवता या लोकगीत सुना होगा| उसेनीचेदी गई

जगह पर लखो| उतर- वषा आई

वषा आई..... वषा आई.....|

रम झम- रम झम वषा आई|

घने-कालेबादल आए,
उमड़-घुमड़ कर नभ पर छाए|
मोर नाचनेलगेम त हो
मढक नेभी गीत सुनाए|
नभ िबजली लगी चमकने,
स धी धरती लगी महकने|
रगं-िबरगीं नाव चल पड़ी
चंचल-सी लहर पर बहने|
धारती पर भी ह रयाली छाई
रम झम- रम झम वषा आई|

न- इस किवता को पढ़तेसमय तुहारेमन म कोई िच आए ह गे| उनकेबारेम बताओ उनका िच बनाओ|

उ र- इस किवता को पढ़तेसमय हमारेमन म कागज़ क नाव, बरसात केिदन तथा बचपन म खेलकूद केिच आतेह|

<u>सचमुच</u>

न- पानी सचमुचखबू पड़ेगा|

सचमुचका इ तेमाल करतेहए तुमभी दो वा य बनाओ|

उ **र-** (क) **सचमुच**बादल िघर आए ह| (घ) **सचमुच**पानी जमकर बरसा|

<u>सात समुं</u>

िघर-िघर कर बादल छाया है,
सात समुदर भर लाया है|

(क) पता करो, सात समुं कौन-कौन सेह गेजनसेबादल पानी भरकर लाया है|

उ **र-** 1. िह द महासागर,
2. शांतमहासागर,
3. अटलांिटक महासागर,
4. उ री ुवमहासागर,
5. दि णी ुवमहासागर,
6. अरब सागर,
7. बंगाल क खाड़ी

(ख) या सचमुचबा रश केबादल समुं सेपानी लातेहै? वेइतना सारा पानी कैसेलातेह गे? आपस म बातचीत करकेपता

करो|

(तुमइस काम म बड़ क या िकताब क मदद भी लेसकती हो|)

उ **र-** हाँ,बा रश केबादल सचमुचसमुं सेपानी लातेह| सूरज क गम सेसमु का पानी भाप बनकर आकाश म चला जाता ह|ै

वहाँइक ी हई भाप धीरे-धीरेठंडी होकर पानी क बूँदो क श ल लेलेती ह|ै वही बूँदेबादल का प लेकर पानी बरसानेलगती ह|ै

तरह-तरह क नाव

तुमकागज सेिकतनी तरह क नाव बना सकतेहो? बनाकर क ा िदखाओ| उनम सेिकसी एक केबारेम लखकर बताओ िक तुमनेवह कैसेबनाई?

उ **र-** कागज क नाव बना कर िव ाथ अपनी क ा म िदखाएँ|

आई बरसात

(क) बरसात केिदन म अ सर घर केदरवाजेऔर खड़िकय सेपानी क बौछार आ जाती है| कभी-कभी छत सेपानी टपकने लगता है,सीलन भी आ जाती है| ऐसी थितय सेिनपटनेके लए तुहारेघर म या- या िकया जाता है?

उ **र-** जब हमारेघर केदरवाजेऔर खडिकय सेपानी क बौछार आती ह,ैतब हम सारेदरवाजेखड़िकयाँबंद कर लेतेह|

जब छत सेपानी टपकता है ला टक िबछा िदया जाता हैबाद म टपकनेवाली या सीलन वाली जगह क मर मत कराई जाती ह|ै

(ख) बा रश केमौसम म ग लय और सड़क पर भी पानी भर जाता है| तुहारेमोह ेऔर घर केआस-पास बा रश आनेपर या-या होता है? बताओ|

उ र- हमारेमोह ेऔर घर केआस-पास बाहर जानेपर सारी ग लयाँपानी सेभर जाती ह|ै थोड़ी देरम पानी सीवर म बह जाता ह|ै

काम वालेश द

(क) िपछलेसाल रम झम म तुमनेपढ़ा था िक बनाना काम वाला श द होता है| काम वालेश द को ि या कहतेह| इस किवता म ढ़ेर सारी ि याँएया काम वालेश द आए है| उ ह छाँटो और नीचे लखो|

उ **र-** आना, िघरना, छाना, लाना, पड़ना, भरना, धरना, लहराना, खोलना, टटोलना, चलाना, अड़ना, लड़ना, बढ़ना, गढ़ना, हषा ना

(ख) तुमनेजो ि याएँछाँटी ह, वणमाला केिहसाब सेउनकेआगे1,2,3 आिद लखकर उ ह म म लगाओ|

उ **र-** 1. अड़ना,

2. आना,

3. खोलना,

4. गढ़ना,

5. िघरना,

6. चलाना,

7. छाना,
8. टटोलना,
9. धरना,
10. पड़ना,
11. बढ़ना,
12. भरना,
13. लड़ना,
14. लहराना,
15. लाना,